

भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय



INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
Ministry of Earth Sciences

WEEKLY WEATHER REPORT साप्ताहिक मौसम विवरण

01 मई 2024 (11 वैशाख 1946 शक) को समाप्त होने वाले सप्ताह के लिए

मुख्य विशेषताएं: 1) इस सप्ताह ऊष्ण लहर से लेकर तीव्र ऊष्ण लहर की स्थिति और भी तीव्र हो गई, यह स्थिति भारत के पूर्वी भागों और दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीप में पूरे सप्ताह देखी गई। 2) इस सप्ताह ओडिशा, पश्चिम बंगाल में ऊष्ण लहर से लेकर तीव्र ऊष्ण लहर की स्थिति देखी गई, जबकि यह स्थिति बिहार में सप्ताह के लगभग सभी दिन देखी गई। झारखंड, रायलसीमा, आंतरिक कर्नाटक, केरल में सप्ताह के लगभग सभी दिन, कोंकण में चार दिन और तमिलनाडु, सौराष्ट्र, कच्छ में सप्ताह के दौरान एक दिन ऊष्ण लहर की स्थिति देखी गई। 3) पूर्वी मध्य प्रदेश में एक- दो स्थानों पर चार दिनों तक, विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा में दो दिनों तक तथा उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, असम, मेघालय में एक-एक दिन ओला तूफान देखा गया। 4) इस सप्ताह अरुणाचल प्रदेश में एक- दो स्थानों पर तीन दिनों तक; असम, मेघालय में दो दिनों तक भारी वर्षा हुई तथा सप्ताह में एक दिन असम, मेघालय में एक- दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हुई।

अर्ध-स्थायी विशेषताएं:

अंतर उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (ITCZ): सप्ताह के दौरान यह भारतीय क्षेत्र में अक्षांश 9°उत्तर और अक्षांश 13°उत्तर के बीच स्थित था।

उपोष्ण कटक (STR): यह अक्षांश 7°उत्तर और अक्षांश 13°उत्तर के बीच 200 hPa पर दोलन करता रहा।

उपोष्ण पश्चिमी जेट (STWJ): 29 अप्रैल को देहरादून में 131 नॉट की उच्चतम हवा की गति 198 hPa पर दर्ज की गई।

अधिकतम तापमान

इस सप्ताह 30 अप्रैल को देश के मैदानी इलाकों की तुलना में सबसे अधिक तापमान 47.2°C बहरागोड़ा, जिला पूर्वी सिंहभूम (झारखंड) में दर्ज किया गया।

सिनोप्टिक मौसम:

1 मई को ओडिशा में एक- दो स्थानों पर तीव्र ऊष्ण रातों (Severe warm nights) की स्थिति देखी गई।

29 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक- दो स्थानों पर और 1 मई को गंगा तटीय पश्चिम बंगाल, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में एक- दो स्थानों पर ऊष्ण रातों (Warm nights) की स्थिति देखी गई।

28 अप्रैल को गंगा तटीय पश्चिम बंगाल क्षेत्रों में कई स्थानों पर, बिहार, ओडिशा के कुछ स्थानों पर, 29 अप्रैल को गंगा तटीय पश्चिम बंगाल क्षेत्रों में अधिकांश स्थानों पर, सौराष्ट्र, कच्छ, बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, ओडिशा के कुछ स्थानों पर, 30 अप्रैल को गंगा तटीय पश्चिम बंगाल क्षेत्रों में अधिकांश स्थानों पर, बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा के कुछ स्थानों पर ऊष्ण लहर से लेकर तीव्र ऊष्ण लहर (Heat wave to severe heat wave) की स्थिति देखी गई।

25 और 26 मई को गंगा तटीय पश्चिम बंगाल क्षेत्रों में एक-दो स्थानों पर, 27 मई को ओडिशा, गंगा तटीय पश्चिम बंगाल क्षेत्रों में एक- दो स्थानों पर, तथा 1 मई को बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु के एक- दो स्थानों पर तीव्र ऊष्ण लहर (Severe heat wave) की स्थिति देखी गई।

25 तारीख को गंगा तटीय पश्चिम बंगाल में अनेक स्थानों पर, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम में एक- दो स्थानों पर; 26 तारीख को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में अनेक स्थानों पर, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, रायलसीमा, आंतरिक कर्नाटक, केरल, माहे में एक- दो स्थानों पर; 27 तारीख को ओडिशा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में अनेक स्थानों पर और केरल में एक- दो स्थानों पर; 28 तारीख को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, कोंकण, गोवा, रायलसीमा, तेलंगाना में एक- दो स्थानों पर; 29 तारीख को झारखंड, केरल, कोंकण, रायलसीमा में एक- दो स्थानों पर; 30 अप्रैल को कोंकण, गुजरात राज्य, रायलसीमा में एक- दो स्थानों पर; 1 मई को बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर और झारखंड, ओडिशा, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा में एक- दो स्थानों पर ऊष्ण लहर (Heat wave) की स्थिति देखी गई।

29 अप्रैल को केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा तटीय कर्नाटक के एक- दो स्थानों पर; 1 मई को तटीय कर्नाटक के एक- दो स्थानों पर ऊष्ण और आर्द्र (Hot and Humid) स्थितियाँ देखी गईं।

25 अप्रैल को मणिपुर में एक- दो स्थानों पर ओला तूफान के साथ तेज़ हवाएँ (Thundersquall accompanied with hailstorms) देखी गईं।

25 अप्रैल को मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ में एक- दो स्थानों पर; 26 तारीख को मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी मध्य प्रदेश में एक- दो स्थानों पर; 27 तारीख को हरियाणा में एक- दो स्थानों पर, 28 तारीख को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, असम, मेघालय में एक- दो स्थानों पर ओला तूफान (Hailstorm) देखा गया।

मौसम और उससे जुड़ी सिनोप्टिक विशेषताएं:

- 25 तारीख की सुबह पिछले सप्ताह का ईरान और उसके आस-पास के क्षेत्रों में स्थित पश्चिमी विक्षोभ मध्य क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में पूर्वी ईरान और उसके आस-पास के क्षेत्रों में एक ऊपरी हवा चक्र के रूप में स्थित रहा और फिर 25 तारीख को औसत समुद्र तल से 3.1 किमी और 9.5 किमी के बीच दक्षिण ईरान और उसके आस-पास के क्षेत्रों में स्थित रहा। यह 26 तारीख को दक्षिण ईरान और उससे निकटवर्ती दक्षिण पाकिस्तान में औसत समुद्र तल से 3.1 और 5.8 किमी के बीच स्थित रहा और इसके साथ ऊपरी क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक द्रोणिका (ट्रफ) जिसकी धुरी औसत समुद्र तल से 7.6 किमी पर और अक्षांश 18° उत्तर के उत्तर में देशांतर लगभग 60° पूर्व के साथ स्थित रहा। यह 27 तारीख को मध्य अफगानिस्तान में औसत समुद्र तल से 3.1 और 5.8 किमी के बीच स्थित रहा और इसके साथ ऊपरी क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक द्रोणिका (ट्रफ) जिसकी धुरी औसत समुद्र तल से 7.6 किमी पर और अक्षांश 25° उत्तर के उत्तर में देशांतर लगभग 64° पूर्व के साथ स्थित रहा। यह 28 तारीख को पूर्वी अफगानिस्तान और उसके आस पास के क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 3.1 और 5.8 किमी के बीच स्थित रहा, इसके साथ ऊपरी क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक द्रोणिका (ट्रफ) जिसकी धुरी औसत समुद्र तल से 7.6 किमी पर और अक्षांश 32° उत्तर के उत्तर में लगभग देशांतर 65° पूर्व के साथ स्थित रहा। यह 29 तारीख को औसत समुद्र तल से 3.1 किमी पर स्थित रहा, इसके साथ मध्य और ऊपरी क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक द्रोणिका (ट्रफ) जिसकी धुरी औसत समुद्र तल से 5.8 किमी पर और अक्षांश 27° उत्तर के उत्तर में लगभग देशांतर 65° पूर्व के साथ स्थित रहा। यह 30 अप्रैल की सुबह पाकिस्तान और उससे निकटवर्ती अफगानिस्तान में स्थित रहा और फिर 30 अप्रैल को उत्तरी पाकिस्तान और उसके आस पास के क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 3.1 किमी और 5.8 किमी के बीच स्थित रहा। यह 1 मई की सुबह उत्तरी पाकिस्तान और उससे निकटवर्ती जम्मू-कश्मीर में स्थित रहा और 1 मई को यह लद्दाख और उसके आसपास के क्षेत्रों में औसत समुद्र तल से 5.8 किमी पर स्थित रहा।
- 25 तारीख को पिछले सप्ताह का पूर्वीतर असम और उसके आसपास के क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर पर स्थित ऊपरी हवा चक्र उसी क्षेत्र में स्थित रहा। यह 26 तारीख को उसी क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर पर स्थित रहा। यह 27 तारीख को उसी क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 4.5 किलोमीटर तक स्थित रहा। यह 28 तारीख को उसी क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर तक स्थित रहा। यह 30 अप्रैल तक उसी क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर और 3.1 किलोमीटर के बीच स्थित रहा। यह 1 मई को उसी क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 3.1 किलोमीटर तक स्थित रहा।

- 28 तारीख को दक्षिण अरब सागर के मध्य भागों में एक ऊपरी हवा चक्र औसत समुद्र तल से 1.5 किमी तक स्थित रहा। यह 29 तारीख को उसी क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 3.1 किमी तक स्थित रहा। यह 30 अप्रैल की सुबह दक्षिण-पश्चिम अरब सागर और उससे निकटवर्ती भूमध्यरेखीय हिंद महासागर पर स्थित रहा और फिर 1 मई तक उसी क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 4.5 किमी तक स्थित रहा।
- 29 तारीख को उत्तर बिहार से लेकर उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और दक्षिण असम से होते हुए मणिपुर तक, औसत समुद्र तल से 0.9 किमी पर एक द्रोणिका (ट्रफ) स्थित रहा। यह 30 अप्रैल को उत्तर बिहार से लेकर उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर बांग्लादेश और दक्षिण असम में स्थित ऊपरी हवा चक्र से होते हुए मणिपुर तक औसत समुद्र तल से 0.9 किमी पर स्थित रहा। यह 1 मई को उत्तर बिहार से लेकर उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर बांग्लादेश और दक्षिण असम और मेघालय में स्थित ऊपरी हवा चक्र से होते हुए नागालैंड तक औसत समुद्र तल से 0.9 किमी पर स्थित रहा।
- 30 अप्रैल को पूर्वोत्तर बांग्लादेश में औसत समुद्र तल से 1.5 किमी तक एक ऊपरी हवा चक्र स्थित रहा, जो 1 अप्रैल को उसी क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 0.9 किमी तक स्थित रहा।
- 25 तारीख को पिछले सप्ताह का तेलंगाना और उससे निकटवर्ती तटीय आंध्र प्रदेश में स्थित ऊपरी हवा चक्र से दक्षिण तमिलनाडु तक स्थित द्रोणिका (ट्रफ)/हवा का असंततता मराठवाड़ा और उससे निकटवर्ती मध्य महाराष्ट्र में स्थित ऊपरी हवा चक्र से लेकर उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा होते हुए उत्तरी तटीय तमिलनाडु तक औसत समुद्र तल से 0.9 किमी तक स्थित रहा। यह 26 तारीख को मराठवाड़ा से लेकर आंतरिक कर्नाटक होते हुए उत्तरी तमिलनाडु तक औसत समुद्र तल से 1.5 किमी तक स्थित रहा। यह 27 तारीख को उसी क्षेत्र में स्थित रहा। यह 28 तारीख को विदर्भ के पूर्वी हिस्सों से लेकर मध्य महाराष्ट्र और आंतरिक कर्नाटक से होते हुए उत्तरी केरल तक औसत समुद्र तल से 1.5 किमी तक स्थित रहा। यह 29 तारीख को मध्य विदर्भ से लेकर मराठवाड़ा और आंतरिक कर्नाटक से होते हुए तटीय कर्नाटक तक स्थित रहा। यह 30 अप्रैल की सुबह दक्षिण-पूर्व मध्य प्रदेश से विदर्भ, मराठवाड़ा और उत्तर आंतरिक कर्नाटक से होते हुए दक्षिण आंतरिक कर्नाटक तक स्थित रहा और फिर उसी क्षेत्र में स्थित रहा जो 1 मई को कमजोर हो गया।
- 28 तारीख को मन्नार की खाड़ी और उसके आस-पास के क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर पर एक ऊपरी हवा चक्र स्थित रहा। यह 29 तारीख को दक्षिण तमिलनाडु और उसके आस-पास के क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर पर स्थित रहा। यह 30 अप्रैल को उसी क्षेत्र में स्थित रहा, जो 1 मई को कमजोर हो गया।
- 28 अप्रैल को उत्तर-पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास के क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर पर एक ऊपरी हवा चक्र स्थित रहा। यह 29 अप्रैल को उसी क्षेत्र में बना रहा, जो 30 अप्रैल को कमजोर हो गया।
- 26 तारीख को उत्तरी बांग्लादेश में औसत समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर पर एक ऊपरी हवा चक्र स्थित रहा। यह 27 तारीख को उसी क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर तक स्थित रहा। यह 28 तारीख को उसी क्षेत्र में औसत समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर पर स्थित रहा। यह 29 तारीख को उत्तरी बिहार से मणिपुर तक स्थित द्रोणिका (ट्रफ) में विलीन हो गया।
- 28 तारीख को पूर्वोत्तर झारखंड से दक्षिण छत्तीसगढ़ तक औसत समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर पर एक द्रोणिका (ट्रफ) स्थित रहा, जो 29 तारीख को कमजोर हो गया।
- 26 तारीख को पश्चिम राजस्थान में एक प्रेरित ऊपरी हवा चक्र औसत समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर तक स्थित रहा। 27 तारीख को यह उत्तरी हरियाणा और उसके आसपास के क्षेत्रों में स्थित रहा, जो 28 तारीख को कमजोर हो गया।
- 27 तारीख को दक्षिण छत्तीसगढ़ और उसके आसपास के क्षेत्रों में औसत समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर पर एक ऊपरी हवा चक्र स्थित रहा, जो 28 तारीख को कमजोर हो गया।
- 27 तारीख को कोमोरिन क्षेत्र और उसके आसपास के इलाकों में औसत समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर पर एक ऊपरी हवा चक्र स्थित रहा, जो 28 तारीख को कमजोर हो गया।
- 26 तारीख को उत्तर बांग्लादेश में स्थित एक ऊपरी हवा चक्र से लेकर गंगा तटीय पश्चिम बंगाल होते हुए उत्तरी ओडिशा तक औसत समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर पर एक द्रोणिका (ट्रफ) स्थित रहा, जो 27 तारीख को कमजोर हो गया।
- 25 तारीख को पिछले सप्ताह का मध्य महाराष्ट्र और उसके आसपास के क्षेत्र में स्थित ऊपरी हवा चक्र मराठवाड़ा और उससे निकटवर्ती मध्य महाराष्ट्र में औसत समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर पर स्थित रहा, जो 26 तारीख को मराठवाड़ा से लेकर आंतरिक कर्नाटक से होते हुए उत्तरी तमिलनाडु तक स्थित द्रोणिका (ट्रफ) के साथ विलीन हो गया।
- 25 तारीख को दक्षिण मध्य प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों के मध्य भागों पर औसत समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर पर एक ऊपरी हवा चक्र स्थित रहा, जो 26 तारीख को कमजोर हो गया।
- 25 तारीख को दक्षिण मध्य प्रदेश के मध्य भागों से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा होते हुए दक्षिण आंतरिक कर्नाटक तक औसत समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर एक द्रोणिका (ट्रफ)/हवा का असंततता स्थित रहा, जो 26 तारीख को कमजोर हो गया।
- 25 तारीख को पिछले सप्ताह का उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और उसके आस-पास के इलाकों में स्थित ऊपरी हवा चक्र दक्षिणी मध्य प्रदेश के मध्य भागों से दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में स्थित ऊपरी हवा चक्र तक स्थित द्रोणिका (ट्रफ) में विलीन हो गया।
- 25 तारीख को पिछले सप्ताह का जम्मू संभाग और उसके आस-पास के इलाकों में स्थित ऊपरी हवा चक्र के रूप में पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पूर्व की ओर चला गया।
- 25 तारीख को पिछले सप्ताह का उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उसके आस-पास के इलाकों में स्थित ऊपरी हवा चक्र कमजोर हो गया।
- 25 तारीख को पिछले सप्ताह का तेलंगाना और उससे निकटवर्ती तटीय आंध्र प्रदेश में स्थित ऊपरी हवा चक्र कमजोर हो गया।

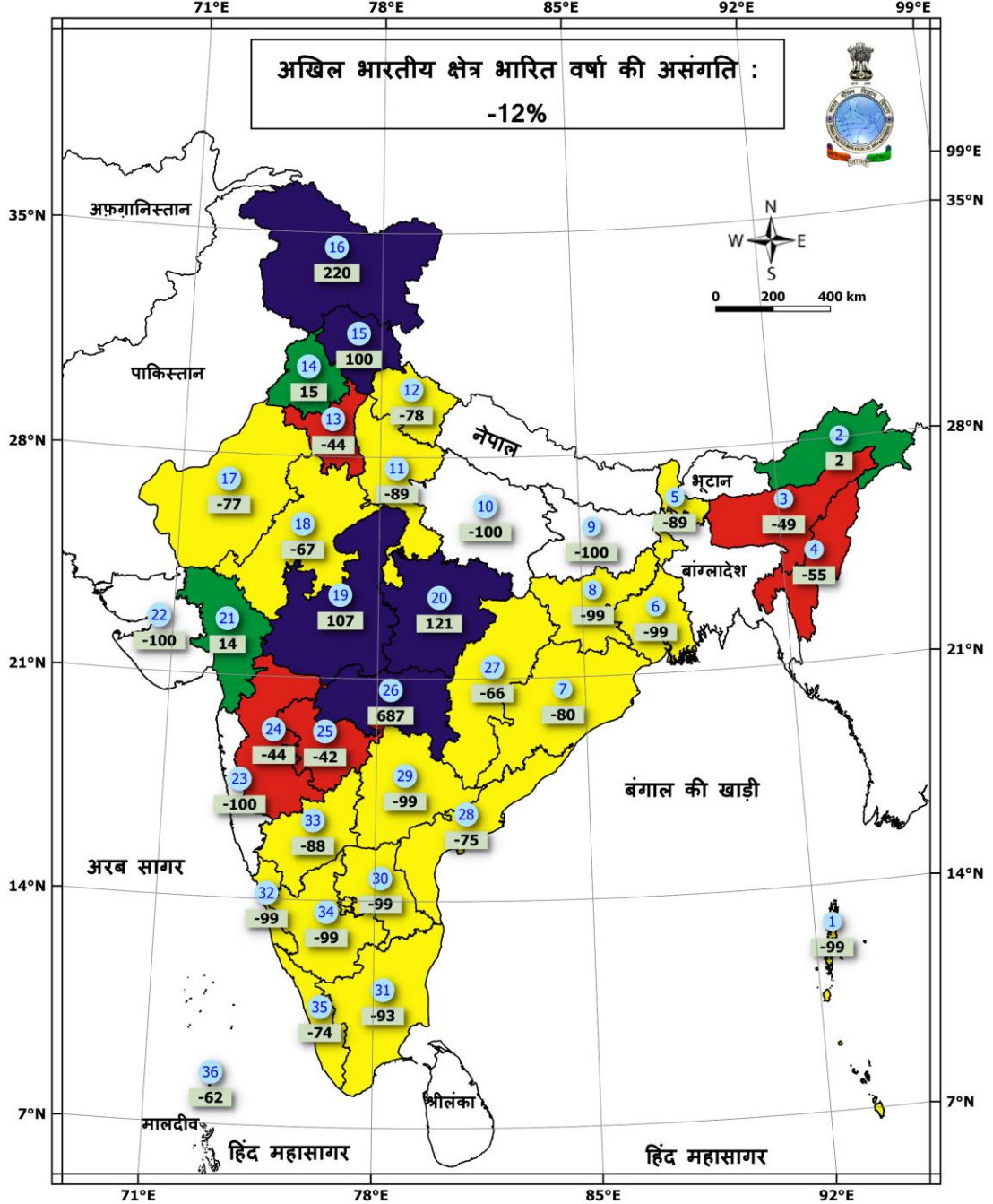
मीडिया रिपोर्ट:- कोई नहीं।

01 मई 2024

पुणे

प्रमुख, मौसम पूर्वानुमान प्रभाग,
जलवायु अनुसंधान और सेवाओं का कार्यालय

सप्ताह के अंत तक वर्षा का प्रतिशत विचलन 1 मई 2024



- | | |
|---|---|
| <p>■ वर्षा असंगति को दर्शाता है</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ सामान्य से बहुत अत्यधिक (+60% या उससे अधिक) 05 ■ सामान्य से कम (-20% से -59%) 05 | <p>● उप-विभाग संख्या को दर्शाता है</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ सामान्य से अत्यधिक (+20% से +59%) 00 ■ सामान्य से बहुत कम (-60% से -99%) 19 ■ सामान्य (-19% से +19%) 03 ■ वर्षा नहीं (-100%) 04 |
|---|---|

ऋतु के अंत तक वर्षा का प्रतिशत विचलन

1 मार्च से 1 मई 2024 तक

